- स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली तेल आदि की मालिश।
- **उछलना** अ.क्रि. (देश.) 1. उछाल मारना, छलांग मारना, धूल आदि का उड़ना 2. अत्यंत प्रसन्न होना जैसे- खुशी से उछलना 3. छलकना, तरंगित होना।
- ऊजड़ वि. (देश.) उजड़ा हुआ, वीरान, बिना बस्ती का।
- **ऊजर** वि. (देश.) 1. उज्ज्वल, सफेद, उजला, साफ 2. ऊजड़, उजड़ा हुआ, निर्जन, उजाड़, नष्ट, बर्बाद हुआ।
- उजरी स्त्री. (देश.) 1. ऊजले रंग की कोई चीज 2. सफेद 3. स्वच्छ, सफाई, चमकने की स्थिति जैसे- बरतनों की ऊजरी।
- उज् पुं. (अर.) 1. चेहरे का साफ होना, चेहरे की सफाई और स्वच्छता 2. नमाज के लिए नियमपूर्वक हाथ-पांव और मुंह आदि धोना।
- उटक-नाटक पुं. (तद्.+तत्.) 1. व्यर्थ का दिखावटी काम 2. इधर-उधर का फजूल का काम 3. महत्वहीन, अव्यवस्थित ढंग वाला कार्य।
- उटना अ.क्रि. (देश.) 1. उत्साहयुक्त होना 2. उमंग में आना 3. तर्क-वितर्क करना 4. मन में कोई योजना बनाना।
- **ऊटपटाँग** वि. (देश.) अटपटा, टेढ़ा-मेढ़ा, असंगत, बेतुका, बेढंगा, बेमेल, उलटा-पुलटा, ऊल-जलूल।
- **ऊढ़** पुं. (तत्.) 1. जो विवाहित हो 2. जिसने विवाह किया हो विलो. अनूढ़
- **उदा** स्त्री. (तत्.) विवाहित स्त्री, जो (कन्या) विवाहित हो वि. जैसे- उदा बाला विलो. अनूदा।
- उत वि. (देश.) 1. संतानहीन 2. निपुत्र/निपूत 3. धूर्त, उजड्ड, शरारती 4. स्वेच्छाचारी पुं. जो नि:संतान होने से मृत्यु के बाद पिंड आदि पाने के अभाव में प्रेतयोनि को प्राप्त हो जाता है, भूत-प्रेत।
- उत्तक वि. (तत्.) जीव. पादप या प्राणी के संरचनक पदार्थ के रूप में अंत:कोशिकीय द्रव्य सहित विशिष्ट कोशिकाओं का समुच्चय tissue

- उतक-रसायन पुं (तत्.) आयु. उतक विज्ञान की वह शाखा जो कोशिकाओं और उतकों में रासायनिक यौगिकों का अध्ययन करती है।
- **ऊतकलयन** पुं. (तत्.) ऊतकों का विघटन, ऊतकों का नष्ट होना।
- उत्तक-विज्ञान वि: (तत्.) जीव-विज्ञान की वह शाखा जिसमें उतकों का विस्तृत अध्ययन होता है। histology
- **उति** स्त्री. (तत्.) 1. रक्षा का भाव, बचाव, सहायता, मदद 2. क्रीड़ा 3. इच्छा, वासना 4. कृपा, अनुग्रह 5. सिलाई 6. सिलाई की मजदूरी 7. बुनाई।
- **ऊतिकी** स्त्री. (तत्.) आयु. ऊतक विज्ञान। जिसमें कोशिकाओं और ऊतकों की सूक्ष्म रचना तथा कार्य का अध्ययन किया जाता है। histology
- उतिकोशांतरण पुं. (तत्.) आयु. उतक की रचना में होने वाला विशेष परिवर्तन जो सामान्य से भिन्न हो, इतर रूप में विकास। metaphasia
- **ऊद** *पुं*. (अर.) 1. अगर का वृक्ष या उसकी लकड़ी, अगरू 2. एक जलजंतु, ऊदिबलाव।
- **ऊदबत्ती** स्त्री. (अर. ऊद+देश.बत्ती) अगरबत्ती, ऊद से निर्मित अगरबत्ती।
- उत्तिबाव पुं (तद्.) नेवले की-सी आकृति का पर उससे बड़ा एक जंतु जो जल और थल दोनों में रहता है।
- **ऊदल** पुं. (देश.) 1. आल्हा के सुविख्यात नायक वीर उदय सिंह 2. एक वृक्ष।
- उदा वि. (अर.) ललाई लिए हुए काले या बैंगनी रंग का पुं. उपर्युक्त रंग का घोड़ा।
- **उधम** पुं. (तद्.) 1. उपद्रव, उत्पात 2. हुल्लड, शोरगुल, हंगामा 3. शरारत।
- **ऊधमी** वि. (देश.) ऊधम करनेवाला, शरारती, फसादी।
- **ऊधव** पुं. (तद्.) दे. उद्भव मुहा. ऊधो का लेना, न माधो का देना- किसी से कोई संबंध नही।
- उन पुं. (तद्.) भेड़, बकरी आदि के रोएं (रोम) से प्राप्त रेशा जिससे गर्म कपड़े बनते हैं। वि. (देश.) 1. न्यून, थोड़ा, कम 2. तुच्छ, हीन।
- **ऊनइ** क्रि.वि. (देश.) उमडकर।